रेड कोलोबस

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)

हाल ही में हुए अध्ययन से पता चला है कि **अफ्रीका** के विभिन्न क्षेत्रों में पाए जाने वाले बंदरों की एक दुर्लभ और लुप्तप्राय प्रजाति **रेड कोलोबस** को अपने अस्तित्व को बचाने के लिये जोखिमों का सामना करना पड़ रहा है तथा यह प्रजाति वर्तमान में विलुप्त होने की कगार पर है।

- ये बंदर **"संकेतक प्रजाति"** के रूप में कार्य करते हैं, जिसका अर्थ है कि उनकी उपस्थिति और कल्याण वन पारिस्थितिकी तंत्र के समग्र स्वास्थ्य को दर्शाते हैं।
- कोलोबाइन मुख्यतः **पत्ती खाने वाले** होते हैं। वे बीज वितरण में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा विविध पौधों के जीवन के पुनर्जनन में योगदान करते हैं।
    - उनका **अद्वितीय पाचन तंत्र** उन्हें विभिन्न पौधों की प्रजातियों की निरंतरता सुनिश्चित करते हुए, **बीजों का उपभोग और वितरण करने** की अनुमति देता है।
- अफ्रीका महाद्वीप में **सेनेगल से ज़ंज़ीबार** द्वीपसमूह तक फैली हुई, यहाँ रेड कोलोबस की 17 प्रजातियाँ हैं (यदि उप-प्रजातियाँ गिना जाए तो इनकी संख्या 18 है)।
    - इनमें से 14 को [IUCN की संकटग्रस्त प्रजातियों की रेड लिस्ट](#) में **लुप्तप्राय या गंभीर रूप से लुप्तप्राय** के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

//

और पढ़ें: **IUCN रेड लसि्ट अपडेट, 2023**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/red-colobus